



BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE

FIRST TERM EXAMINATION 2023-24

HINDI

CLASS: IX

TIME- 3 hrs

M.M.-80

The paper comprises two sections section A and Section B.

Attempt any four questions from section A. Attempt any four questions from Section B answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

Section A (40 marks)

(Attempt all Questions)

Question-1

निम्नलिखित विषयो मे से किसी एक विषय मे लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए—

[15]

- आज विश्व के अधिकांश देश हमारी भारतीय संस्कृति के उपहार योग को अपना चुके हैं। जीवन मे योग की अनिवार्यता तथा उससे मिलने वाले लाभों का वर्णन कीजिए।
- समाज मे फैली समस्याओं मे महंगाई तथा जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर समस्या है। इसके कारणो तथा दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए बताइए कि सरकार तथा जनता इससे मुक्त होने के लिए क्या-क्या प्रयास कर रही है?
- “एक गंदी मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है।” पंक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।
- आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में रिश्ते नातों की अहमियत खत्म होती जा रही है? इसके क्या कारण है। आप अपने रिश्तो की संजोने के लिए क्या करेंगे।
- नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई घटना, कहानी अथवा प्रसंग का वर्णन कीजिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से हो।



Question-2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी मे लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

[7]

- आपके मोहल्ले में चोरी की घटनाएँ बहुत बढ़ रही हैं। उनकी रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को गश्त बढ़ाने हेतु पत्र लिखिए।
- आपने अपने विद्यालय बॉयज हाई स्कूल एण्ड कॉलेज मे आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं मे बहुत से मेडल और प्रमाण पत्र प्राप्त किए है। अपने पिताजी को पत्र लिखकर अपनी उपलब्धियों के बारे मे बताइए।

Question-3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी मे लिखिए। उत्तर यथासंभव अपनी भाषा मे होने चाहिए।

[10]

जोखू ने लोटा मुँह से लगाया तो पानी से सख्त बदबू आई। गंगी से बोला— यह पानी कैसा है? मारे बास के पिया नहीं जाता। गला सूखा जा रहा है और तू सड़ा हुआ पानी पिलाए देती है।

गंगी प्रतिदिन शाम को पानी भर लिया करती थी। कुओं दूर था, बार-बार जाना मुश्किल था। कल वह पानी लाई, तो उसमें बू बिल्कुल न थी, आज पानी में बदबू कैसी? लोटा नाक से लगाया, तो सचमुच बदबू थी। अवश्य कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा, मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से?

ठाकुर के कुएँ पर कौन चढ़ने देगा? दूर से लोग डॉट लगाएँगे। साहू का कुओं गाँव के उस सिरे पर है, परंतु वहाँ भी कौन पानी भरने देगा? चौथा कुओं गाँव में है ही नहीं।

जोखू कई दिनों से बीमार है। कुछ देर तक तो प्यास रोके चुप पड़ा रहा, फिर बोला—अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता। ला, थोड़ा-सा पानी नाक बंद करके पी लूँ।

गंगी ने, पानी न दिया। खराब पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी—इतना जानती थी, परंतु यह न जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है। बोली यह पानी कैसे पियेंगे? न जाने कौन जानवर मरा है। कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ।

“ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे?”



हाथ-पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से।

ब्राम्हण-देवता आशीर्वाद देंगे, ठाकुर लाठी मारेंगे, साहू जी एक के पाँच लेंगे। गरीबों का दर्द कौन समझता है। हम तो मर भी जाते हैं, तो कोई दुआर पर झोंकने नहीं आता, कंधा देना तो बड़ी बात है। ऐसे लोग कुँ से पानी भरने देंगे?

इन शब्दों में कड़वा सत्य था। गंगी क्या जवाब देती, किंतु उसने वह बदबूदार पानी-पीने को नहीं दिया।

- (i) पानी से बदबू क्यों आ रही थी?
- (ii) गाँव में कितने कुँ थे और वे किसके थे? स्पष्ट कीजिए।
- (iii) गंगी ने जोखू को पानी क्यों नहीं पीने दिया?
- (iv) गंगी ने कहीं से पानी लाने की बात कही तथा जोखू ने उसे क्यों मना कर दिया?
- (v) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक बताते हुए उसकी व्याख्या कीजिए।

Question-4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए-

[8]

- (1) 'ईद का चोंद होना' मुहावरे का अर्थ बताइए-
 - (a) बहुत कम सुंदर होना ()
 - (b) गायब हो जाना ()
 - (c) बहुत बड़ा होना ()
 - (d) बहुत दिनों बाद दिखना ()
- (2) 'कान खड़े होना' मुहावरे का अर्थ बताइए-
 - (a) सतर्क होना ()
 - (b) उदास होना ()
 - (c) जुगली करना ()
 - (d) बाधा डालना ()
- (3) पत्थर शब्द का विशेषण शब्द बताइए-
 - (a) पथरीला ()
 - (b) पथरी ()
 - (c) पत्थरीला ()
 - (d) पथरेला ()
- (4) अहिंसा का विशेषण बनाइए-
 - (a) हिंसा ()
 - (b) अहिंसक ()
 - (c) हिंसक ()
 - (d) अहिंसा ()
- (5) 'सत्य गाँधी जी बोलते थे सदा'-
 - (a) गाँधी जी सदा सत्य बोलते थे ()
 - (b) सदा सत्य बोलते थे गाँधी जी ()
 - (c) गाँधी जी बोलते थे सदा सत्य ()
 - (d) सत्य बोलते थे गाँधी जी सदा ()
- (6) मीठा बोलने वाला-
 - (a) मृदु भाषी ()
 - (b) मातृभाषी ()
 - (c) भाषायी ()
 - (d) मितभाषी ()
- (7) बही रंग का शुद्ध रूप क्या होगा-
 - (a) बहिरंग ()
 - (b) बिहि रंग ()
 - (c) बिरागी ()
 - (d) बिहिरगी ()
- (8) अतिथि की भाववाचक संज्ञा-
 - (a) अतिथि ()
 - (b) आतिथ्य ()
 - (c) अतिथेय ()
 - (d) अतिथि ()

Section B (40 marks)

(खण्ड ख)

इस खण्ड में केवल चार प्रश्नों के उत्तर दे।

साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ

Question-5

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

वह सोचता, "यहाँ इतने सालों से हूँ। अमीर लोग नौकरों पर विश्वास नहीं करते, किंतु मुझ पर यहाँ कभी किसी ने संदेह नहीं किया।

- बात अठन्नी की (सुदर्शन)

- (i) वह शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है। वह क्या सोचता था? [2]
- (ii) रसीला के घर की स्थिति का संक्षेप में वर्णन कीजिए? [2]
- (iii) रसीला कौन था? वह इंजीनियर बाबू के यहाँ नौकरी क्यों नहीं छोड़ना चाहता था? [3]
- (iv) रसीला के मित्र का क्या नाम था? वह किसके यहाँ नौकरी करता था? [3]

Question-6

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

दोनों घण्टों साथ बैठते, बातें करते।

‘बात अठन्नी की’

- (i) ‘दोनों’ शब्द किस किस की ओर संकेत करते हैं? [2]
- (ii) रमजान और रसीला किस-किस के यहाँ काम करते थे। [2]
- (iii) उन दोनों लोगों के मालिकों में क्या समानता थी? [3]
- (iv) किस घटना से स्पष्ट होता है कि दोनों में बहुत गहरी मित्रता थी? [3]

Question-7

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

उसमें कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता था कि यह साजिश है।

– बात अठन्नी की (सुदर्शन)

- (i) रसीला क्या बहाना बना सकता था? उसने क्या अपराध किया था? [2]
- (ii) रसीला कौन था? उसका परिचय दीजिए? [2]
- (iii) हमें अपने नौकरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए प्रस्तुत कहानी के आधार पर उदा० देकर समझाइए? [3]
- (iv) इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है? वह इसमें कितना सफल हुआ। [3]

Question-8

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए

गुरु गोविंद दोऊ खड़ें, काके लागू पॉय।

बलिहारी गुरु आपनों, जिन गोविंद दिगौ बताय।।

जब मैं था तब हरि नहीं अब हरि है मैं नाहि।

प्रेम नाली अति सौंकरी, तामे दो न समाहि।।

– सारवी (कबीरदास)

- (i) कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? [2]
- (ii) कवि किसके ऊपर न्यौछावर हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? [2]
- (iii) ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए? [3]
- (iv) सौंकरी शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली में क्या-क्या साथ नहीं रह सकते हैं? समझाइए। [3]

Question-9

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

पाहन पूजै हरि मिले तो मैं पूजूँ पहार।

ताते ये चाकी भली पीस खाए संसार।

खात समंद की मसि करो, लेखनि सब बनराय

सब धरती कागद करो, गुरु गुन लिखा न जाए।

- (i) सात समंद ‘कहकर कवि’ क्या स्पष्ट करना चाहते हैं? [2]
- (ii) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए— कौंकर, लेखनि, पाहन, ताते [2]
- (iii) गुरु गुण लिखा न जाए—कबीर ने ऐसा क्यों कहा? [3]
- (iv) कबीरदास जी का संक्षिप्त परिचय लिखिए? [3]

Question-10

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए—

कौंकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय।

ता चढ़ि मुल्ला बोंग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय।।

पहान पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।

ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार।।

- (i) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि का क्या आशय है? [2]
- (ii) “कौंकर पाथर जोरि कै मसजिद लई बनाय” इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने मनुष्य की किस प्रवृत्ति की ओर संकेत किया है? [2]
- (iii) कबीरदास जी की भाषा के विषय में आप क्या जानते हैं? समझाइए। [3]
- (iv) कबीरदास जी ने मनुष्य की मूर्ति पूजा व दिखावे की भावना का खंडन किया है, क्यों? [3]